[कम्युनिटी कनेक्ट]

अगर आप मुस्लिम समुदाय से जुड़ी बातें अथवा सामाजिक मुद्दे हमारे साथ साझा करना चाहते हैं, तो हमें nbtmcommunity@gmail.com पर ई-मेल करें। आप हमें जानकारी 8104594502 पर वॉट्सऐप भी कर सकते हैं।

मुस्लिम समुदाय हिंदुस्तान में जब से है, गालिबन तभी से मुंबई में भी है। तब से, जब यह मुंबई नहीं थी। पुर्तगीज और अंग्रेज भी नहीं थे। जब मुंबई में यूरोपियन शैली की इमारतें नहीं थीं। जब समंदर से घिरा एक अलग ही भूगोल का यह शहर लोगों को लुभाता था, ललचाता था, तब से मुसलमानों की आबादी यहां फल-फूल रही है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम, जंग-ए-आजादी, हिंदुस्तान में प्रोग्रेसिव मूवमेंट से लेकर सिनेमा तक मुसलमानों के योगदान को नजरअंदाज नहीं जा सकता।

मुंबई के सबसे पुराने बाशिंदों में हैं मुसलमान

Anurag.Tripathi2
@Timesgroup.Com

मुंबई में मुस्लिम समुदाय का इस शहर से रिश्ता इसके मूल बाशिंदों- मछुआरों और पाठारे प्रभु जितना ही पुराना है। 13वीं शताब्दी में मखदूम अली माहिमी इस शहर के पहले मुसलमान नागरिक माने जा सकते हैं। इतनी सदियों बाद भी माहिम में मखदूम शाह बाबा की दरगाह पर लगभग हर धर्म, जाति और पंथ के लोगों की जमात जुटती है। माहिम तब एक टापू हुआ करता था। अहमदाबाद शहर बसाने वाले सुल्तान अहमद शाह की रियासत का हिस्सा। सुल्तान ने बाबा माहिमी को इस टापू का जज मुकर्रर किया था। मुस्लिम स्कॉलर अब्दुल सत्तार दलवी के अनुसार, कुरान की पहली व्याख्या यहीं मखदूम शाह बाबा ने की थी।

गुजरात और वहां के व्यापारियों का मुंबई से पुराना राब्ता रहा है। मुंबई जैसे-जैसे फली-फूली समुद्र पार से कारोबार करने वाले मेमन, खोजा बिरादरी के मुसलमानों ने इधर का रुख किया। शिपिंग के व्यवसाय ने महाराष्ट्र के समुद्र तट से लगे मुस्लिम युवाओं को आकर्षित किया। शहर बन ही रहा था कि 1803 में मुंबई बंदरगाह में लगी आग ने शहर के बहुते सारे हिस्सों को तबाह कर दिया। इस दुर्घटना ने मुसलमानों पर भी असर डाला। मुसलमानों की शुरुआती आबादी कोलाबा, माहिम और सिहूर (आज के चेंबूर) में बसी थी। अंग्रेजों के विस्फोटकों को सुरक्षित करने के लिए कोलाबा से मुसलमानों को हटाकर क्रॉफर्ड मार्केट इलाके में बसाया गया। इसके बाद तो आज के मोहम्मद अली रोड से लेकर भायखला के क्लेयर रोड तक मुसलमानों की घनी बस्ती बसती चली गई।

1857 के गदर में मुस्लिम इतिहास ने फिर एक करवट ली। उत्तर भारत में अंग्रेजों से विद्रोह करने वाले अंसारी और मोमिन जुलाहे बड़ी संख्या में मुंबई पहुंचे। बनारस से आए मुसलमान वहां की अपनी बस्तियों के नाम भी साथ लेते आए। बनारस की तरह एक 'मदनपुरा' मुंबई में भी बस गया। भेड़-बकरियों की बिक्री वाले मुंबई के इलाके का नाम पड़ा भेड़ी बाजार। आज बोलचाल में इसे भेंडी बाजार कहा जाने लगा है। भिवंडी, मालेगांव और इचलकरंजी तक फैले कपड़ा बुनने के व्यवसाय ने रूप-रंग बदला है। पॉरलूम के बदले हुए रूप में आज भी देखा जा सकता है। वैसे, उत्तर भारत से आए मुसलमान जो मजहबी ज्ञान, गंगा-जमुनी तहजीब, बोलचाल और खानपान का जो जायका अपने साथ लाए थे, उसकी खुशबू आज भी इन इलाकों में महसूस की जा सकती है।

वरिष्ठ पत्रकार सरफराज आरजू के अनुसार, गुजरात से आए कच्छी मेमन, खोजा मुसलमानों ने विश्वयुद्ध में अंग्रेजों के साथ व्यापार शुरू करके अपनी तरक्की की बुनियाद रखी। उत्तर भारत, दक्षिण भारत या कोकण से आए मुसलमानों की तुलना में ये तिजारत और तालीम, दोनों मामलों में काफी आगे रहे। इसी में एक बड़ा व्यवसाय पानी का जहाज तोड़ने का शुरू हुआ। यह सिलसिला आजतक भंगार यानी कबाड़ के धंधे में मुसलमानों के वर्चस्व में देखा जा सकता है। बोरा समुदाय आज भी हार्डवेयर और कंप्यूटर पार्ट्स के कारोबार में बढ़त बनाए हुए है। लकड़े के व्यापार पर मेमन बिरादरी का वर्चस्व अंग्रेजों के जमाने से ही बन चुका था। बर्मा से टीक लकड़ी के आयात और जहाज तोड़ने के काम से व्यवसाय फला-फूला। माहिम, अंधेरी, जोगेश्वरी, मीनारा मस्जिद इलाका और ओशिवरा में नई-पुरानी लकड़ी के काम में इनका नाम है।

व्यवसाय तो था, मगर इसके सलीके कुछ अलग थे। चूंकि इस्लाम में सूद लेना और देना हराम था, इसलिए बोरा समुदाय ने बिना ब्याज के कर्ज देने की रीत शुरू की। आरजू बताते हैं कि इस 'कर्जे हसना' की खूबसूरत बात यह भी थी कि इसमें कर्ज चुकाने की मियाद जैसी कोई पाबंदी नहीं थी। वैसे, सामान्य तरीके से कर्ज देने वाले बैंकों का कामकाज भी मुंबई के मुसलमानों में खासा फला-फूला। मुंबई में हजारों टैक्सियों पर आप 'द बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक' की मुहर देख सकते हैं।

मुंबई में शुरुआत में जड़ें जमाने वालों में कुरैशी बिरादरी थी, उत्तर भारत में इसे गोश्त के कारोबार से पहचाना जाता है। मुंबई में कुरैशी समुदाय ने फलों के व्यापार पर गहरी छाप छोड़ी है। वाशी और भायखला में इनकी फलों की पेढ़ियां उनकी सफलता की कहानी बयान करती हैं। खोजा, बोरा, मेमन समुदायों ने जिस तरह पैसा कमाया, दान भी उसी तरह किया। बाद में उत्तर भारत से आए मुसलमान भी फूल-फूले और संस्थान बनाते चले गए। मुंबई भर में फैले मदरसे तो इसके गवाह हैं ही, अंजुमन-ए-इस्लाम, महाराष्ट्र कॉलेज, इस्माइल यूसुफ कॉलेज, बुरहानी कॉलेज, रिजवी कॉलेज जैसे कई तालीमी इदारे भी बरसों से तरक्की की कहानी बयान कर रहे हैं।

आजादी के आंदोलन में मुंबई के मुसलमानों का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। कांग्रेस की स्थापना से लेकर 1942 की लड़ाई तक हर कदम पर मुंबई के मुसलमानों का सक्रिय सहभाग रहा। यूं तो शुरुआती दिनों में शहर का मुस्लिम तबका महात्मा गांधी और इसी शहर के बाशिंदे मोहम्मद अली जिन्ना के बीच बंटा था। फिर भी यहीं से शुरू हुए 'खिलाफत आंदोलन' ने गांधी की मकबूलियत को चरम पर पहुंचा दिया। मौलाना मोहम्मद अली जौहर और उमर सोभानी के दान के किस्से अमर हो गए। बाद के दिनों में साले भाई अब्दुल कादर और ए.के. हाफिजका यहीं से संसद तक पहुंचे। अली मोहम्मद नियाज मुंबई के मेयर रहे। मुस्तफा फकीह, डॉ. इस्हाक जामखानवाला, सलीम जकरिया, सैयद अहमद, जावेद खान, आरिफ नसीम खान, नवाब मलिक, बाबा सिद्दीकी जैसे नेता महाराष्ट्र की केबिनेट में मंत्री रहे। सैयद अहमद तो बाद में राज्यपाल भी बने। मुस्तफा फकी के दामाद अब्दुल रहमान अंतुले महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचे। अंतुल तो रायगड जिले से चुनाव लड़ते थे, मगर उनका ज्यादा समय मुंबई और दिल्ली में बीता।

मुस्लिम समुदाय

13वीं शताब्दी में मुंबई आए ख्वाजा मखदूम अली माहिमी की दरगाह पर आज भी सभी समुदायों के अकीदतमंद आते हैं।

उर्दू अदब का मुंबई का रिश्ता बहुत पुराना है। 1760 में शायर अता ने इस इलाके पर पहली नज्म लिखी, जिसमें ताड़ के पेड़ों, समुंदर के बहते पानी और किश्तियों का जिक्र है। शायर सैयद रियाज रहीम बताते हैं कि मुंबई एक अरसे से उर्दू अदब का मरकज रहा। सीमाब अकबराबाद ने 1920 से शायर पत्रिका निकाली। 1934-35 में सज्जाद जहीर, सरदार जाफरी , कैफी आजमी, इस्मत चुगताई जैसी हस्तियों ने तरक्की पसंद तहरीक (प्रगतिशील आंदोलन) को भारत भर में नई दिशा दी। ये लोग जहां सामाजिक आदर्शों की राह बनाते चल रहे थे, वहीं बाद के दिनों में 'जदीद शायरी' में बाकर मेहदी, निदा फाजली, हसन कमाल, फैजल जाफरी तरक्की पसंद होते हुए क्रिएटिव शायरी का स्वर बुलंद कर रहे थे। मजरूह सुल्तानपुरी, साहिर लुधियानवी, जिगर मुरादाबादी, शकील बदायूनी और हसरत जयपुरी जैसे शायरों के बोल जुबान का दायरा तोड़कर भारत भर में आज भी गुनगुनाए जाते हैं। मुंबई ऐसा चुंबक साबित हुआ, जो इन सभी को अपनी तरफ खींच लाया। तभी तो किसी शायर ने कहा है-

'कुछ तो बात है बम्बई तेरी शबिस्ता में, कि हम शामे अवध, सुबहे बनारस छोड़ आए हैं।'

पहला मुस्लिम कांग्रेस अध्यक्ष

बदरुद्दीन तैयबजी पहले मुस्लिम थे, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। 1887 में मद्रास में हुए पार्टी के तीसरे अधिवेशन में वह अध्यक्ष चुने गए। लंदन से बैरिस्टर बनकर लौटे बाद में 1902 में वे बॉम्बे हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस भी रहे। उन्होंने और उनके भाई कमरुद्दीन ने अली नाम छोड़कर पिता का नाम तैयबजी अपनाकर सरनेम बना लिया था। फिरोजशाह मेहता और काशीनाथ तेलंग के साथ वे बॉम्बे लेजिस्लेटिव काउंसिल के सदस्य भी रहे।

मुसलमानों का पिछड़ापन जानने के लिए हमारी सरकार ने रिटायर्ड आईएएस मेहमूदुर रहमान समिति बनाई थी। हालत दलित से बदतर पाई जाने पर पांच प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसे मौजूदा सरकार ने रद्द कर करके अन्याय किया है।

-आरिफ नसीम खान, पूर्व मंत्री, विधायक

मेहनत, अक्ल, हुनर की बदौलत बहुत सारे मुसलमानों ने तरक्की करके मुकाम बनाया है। गरीब वंचित तबका किस्मत के भरोसे बैठा रहा, इसलिए पिछड़ा रह गया। मुंबई तो एक्शन का शहर है, यहां काम करने वाला ही आगे बढ़ता है।

-फिरोज अशरफ, वरिष्ठ पत्रकार

मुसलमानों की तालीम की समस्या है। सामाजिक-आर्थिक स्तर का सवाल है। कोई भी सरकार रहे, उन्हें बराबरी का मौका और इंसाफ नहीं मिलता। ऊपर से अपराधी होने की छाप लगा दी है, अच्छे काम नहीं दिखाए जाते।

-जहीर काजी, शिक्षा विद्

पिछली महाराष्ट्र सरकार ने मुसलमानों को आरक्षण दिया था, इसको रद्द कर दिया गया। इसे बहाल किया जाना चाहिए। म्यूनिसिपल स्कूलों का स्तर बढ़ाया जाना चाहिए। मुस्लिमों के नेताओं को जिम्मेदारी निभाते हुए छवि सुधारने की कोशिश करनी चाहिए।

-अमीन पटेल, विधायक

मैंने अपने मंत्री काल में हिंदी और उर्दू कॉलेज-स्कूल के पांच-दस सालों से प्रलंबित सभी दरखास्तों पर मान्यता दे दी। मैंने बाद में दो शिक्षा संस्थान बनाए, जो कॉलेज चलाते हैं, ये दोनों ही उर्दू माइनॉरिटी नहीं, बल्कि हिंदी माइनॉरिटी हैं।

-जावेद खान, पूर्व मंत्री

मुसलमानों में गरीबी है, पढ़े-लिखे कम हैं। सरकारी नौकरी नहीं मिलतीं। ऊपर से मुस्लिम इलाकों में नशीली चीजों का कारोबार पूरी नस्ल को बरबाद कर रहा है। इसके लिए सिर्फ मुस्लिम लीडरशिप ही जिम्मेदार है।

-फारूक आजम, बीजेपी नेता

1790 में तालाब पर बनी जामा मस्जिद

क्राफर्ड मार्केट की मस्जिद मुंबई की सबसे पुरानी मस्जिदों में है। यह मस्जिद वास्तव में एक तालाब के ऊपर बनाई गई है।

जहाज मालिक मोहम्मद अली बिन मोहम्मद हुसैन रोगहे ने क्रॉफर्ड मार्केट इलाके में 1790 में मस्जिद की तामीर शुरू की थी। आज के जवेरी बाजार से लगी इस मस्जिद की खासियत यह है कि यह एक तालाब पर बनी है। उन दिनों के बड़े दानदाता जमशेदजी जिजीभाई और सेठ अमी चंद उनके दोस्त और व्यवसायिक पार्टनर हुआ करते थे। ये लोग मिलकर चीन से मोती, सिल्क वगैरह की तिजारत किया करते थे। रोगहे ने 1847 में एक अखबार भी निकाला था- मोहम्मदी। जहाजों के मालिक होने की वजह से उन्हें 'नाखुदा' भी बुलाया जाता था।

अंजुमन-ए-इस्लाम

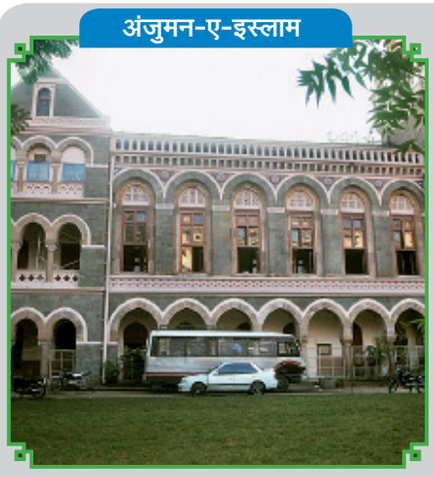

महाराष्ट्र कॉलेज

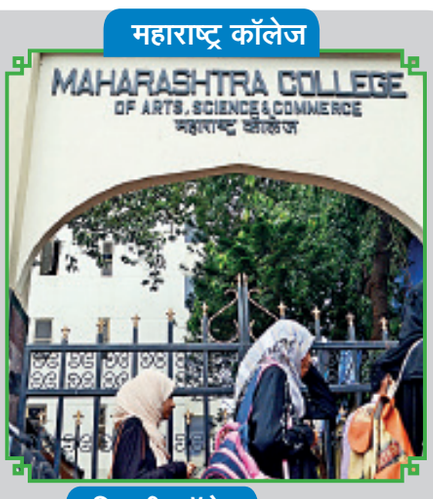

इस्माइल यूसुफ कॉलेज

रिजवी कॉलेज

मुंबई और सटे उपनगर में कई मुस्लिम संस्थाएं हैं, जो शिक्षा के क्षेत्र में अग्रसर है। फोर्ट की हेरिटेज इमारत 'अंजुमन-ए-इस्लाम' की गिनती भारत की विशालतम अल्पसंख्यक शिक्षा संस्थाओं में ही नहीं की जाती मुस्लिम समुदाय में वह अपने-आप में एक दुनिया है। महाराष्ट्र कॉलेज की स्थापना महाराष्ट्र कॉलेज की स्थापना मुंबई में 1968 खैरुल इस्लाम हायर एजुकेशन सोसाइटी द्वारा की गई थी | इस कॉलेज में कॉमर्स, आर्ट्स और साइंस तीनों की पढ़ाई कराई जाती है| डॉ. अख्तर हसन रिजवी ने 1982 में रिजवी एजुकेशन सोसायटी की स्थापना की थी। इस संस्था ने कुछ ही वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया।

मुंबई के मुस्लिम इलाकों में दीन के लिए जुनून, गंगा-जमुनी तहजीब, मिठास भरी बोलचाल और जायकेदार खानपान का अनोखा मेल देखा जा सकता है।

12 राशियां और आपका दिन

मेष 21 Mar - 19 Apr

क्योंकि आपको दूसरों की मदद करने से सुकून मिलता है, इसलिए आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में भी आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। किन्तु आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बना लेंगे।

वृष 20 Apr - 19 May

आज का दिन परिजनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सांयकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित हो सकते हैं।

मिथुन 21 May - 21 Jun

पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें। सांयकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें। प्रिय एवं महान पुरुषों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा।

कर्क 22 Jun - 22 July

राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का पंचम होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया निर्णय आगे पश्चाताप का कारण बन सकता है।

सिंह 23 July - 22 Aug

राजनीतिक क्षेत्र में अशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ कार्य भी संपन्न होगा। पाचन क्रिया मंद तथा नेत्र विकार संभव है। सांयकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य-परिहास में व्यतीत होगा।

कन्या 23 Aug - 22 Sep

आज कर्मोद्योग में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जायेगी। राजकीय मदद भी मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

तुला 23 Sep - 22 Oct

आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नये स्रोत बनेंगे, वाक्पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा।

वृश्चिक 23 Oct - 21 Nov

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा, प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सांयकाल प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर-सपाटे का अवसर प्राप्त होगा।

धनु 22 Nov - 21 Dec

आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। आधीनस्थ कर्मचारी या किसी संबंध के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये-पैसे के लेनदेन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं, पर विजयी होंगे।

मकर 22 Dec - 19 Jan

आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति पूर्वापेक्षा अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सांयकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा।

कुंभ 20 Jan - 18 Feb

राशि स्वामी शनि की मध्यम स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात शरीर कष्ट होने से भागदौड़ की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय-विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सांयकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा।

मीन 19 Feb - 20 Mar

वैवाहिक जीवन आनन्ददायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। सांयकाल के समय घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

सुडोकू

2								4
9		1	7		2	3		6
	4						7	
		6	3	7	5	8		
				1				
		8	6	2	4	9		
	6						2	
3		7	8		9	4		5
5								9

TELEVISION

big magic

09:00 बबलू डबलू
10:00 बंदबुध बुड़बक
11:00 रुद्र के रक्षक
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
12:30 हम पांच
13:00 रुद्र के रक्षक
13:30 भ से भड़े
14:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
15:00 लिटिल कृष्णा
17:00 बबलू डबलू
18:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा

पंचांग (16 जनवरी 2019 बुधवार)

राष्ट्रीय मिति पौष 26, शक संवत 1940, पौष शुक्ला दशमी बुधवार, विक्रम संवत 2075 सौर माघ मास प्रविष्टे 03, जमादि उल्लावल 09, हिजरी 1440 (मुस्लिम) तदनुसार अंग्रेजी तारीख 16 जनवरी सन 2019 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल मध्याह्न 12 बजे से 1 बजकर 30 मिनट तक। दशमी तिथि अर्धरात्रोत्तर 12 बजकर 4 मिनट तक उपरांत एकादशी तिथि का आरंभ, भरणी नक्षत्र अपराह्न 2 बजकर 12 मिनट तक उपरांत कृतिका नक्षत्र का आरंभ, शुभ योग अर्धरात्रोत्तर 3 बजकर 44 मिनट तक उपरांत शुक्ल योग का आरंभ, तैतिल करण मध्याह्न 12 बजकर 25 मिनट तक उपरांत वणिज करण का आरंभ।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपको रजत पाद से प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी शुक्र मंगल ग्रह बने हैं। जीवन सक्षिणी-देहधारी प्रधान ग्रह वर्षपति मुंथा की उत्तम स्थिति जनवरी शेष में अकस्मात राज्य कृपा कारक है। फरवरी में काफी समय से टल रही योजनाएं पूरी होंगी। इष्ट मित्रों से सहयोग का समाचार मिलेगा। मार्च-अप्रैल में नई खोज, रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। राज समाज में सम्मान बढ़ेगा, प्रतियोगिता में विजय होगी। मई में न चाहते हुए भी कहीं जाना पड़ेगा। अपनी वार्ताशैली सारगर्भित रखें। जून-जुलाई में सभी लोग आपके कार्य कौशल की प्रशंसा करेंगे। अगस्त-सितंबर आपके रहन-सहन का स्तर बढ़ेगा। शत्रु पराजित होंगे। अक्टूबर-नवंबर में रोग ऋण से मुक्ति मिलेगी। दिसंबर से आर्थिक पक्ष सुदृढ़ बनेगा। 1 जनवरी से 25 जनवरी 2020 तक धार्मिक स्थानों पर पर्यटन का भी योग है। अधिक सफलता के लिए स्नान उपरान्त सूर्य नारायण को जल प्रदान करें। हनुमान चालीसा का पाठ भी कल्याणकारी सिद्ध होगा।

- आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

मुंबई विवि को मिला पूर्णकालीन परीक्षा निदेशक

■ **वसं, मुंबई :** मुंबई विश्वविद्यालय में लंबे समय के बाद परीक्षा व मूल्यांकन बोर्ड को पूर्णकालीन निदेशक मिला है। सोमवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव पद पर डॉ. अजय देशमुख और परीक्षा व मूल्यांकन बोर्ड के निदेशक पद पर डॉ. विनोद पाटील की नियुक्ति हुई है। दोनों पदों के लिए 6 और 7 जनवरी को साक्षात्कार लिया गया था। फिलहाल डॉ. देशमुख संत गाडगे महाराज अमरावती विश्वविद्यालय में कुलसचिव पद पर कार्यरत हैं, जबकि डॉ. पाटील जलगांव के कवियित्री बहिणाबाई चौधरी उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय में सिस्टम एनालिस्ट पद पर कार्यरत हैं। वे मुंबई विश्वविद्यालय में उपकुलसचिव भी रह चुके हैं।

विश्वविद्यालय की तरफ से इन दोनों पदों के लिए 15 अक्टूबर 2018 को विज्ञापन जारी किया गया था। इसके बाद विश्वविद्यालय को कुलसचिव के लिए 49 और परीक्षा व मूल्यांकन बोर्ड के लिए 29 आवेदन प्राप्त हुए थे। आवेदन की छंटनी में नियुक्ति के लिए बनी समिति ने क्रमशः 32 और 24 आवेदन वैध पाए। इनमें से कुलसचिव के लिए 24 और परीक्षा निदेशक के लिए 18 आवेदकों ने साक्षात्कार दिए थे।